>

Title : Discussion regarding increase in naxalite and maoist activities in the country.

-

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, Item No. 37, discussion under Rule 193 – Shri Basu Deb Acharia.

...(*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Mr. Deputy-Speaker, Sir, widespread violence by the Maoist and the characterization as the biggest threat to internal security by the Government of India, has brought the issue of Left wing extremism to the fore...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record except the speech of Shri Basu Deb Acharia.

*(Interruptions) â€¦**

SHRI BASU DEB ACHARIA : What we have been witnessing is that since 2004, the incidents of violence by the Maoists are increasing year after year. During five years, from 2004 to 2009, 3,336 persons have been killed in 7,036 incidents in 14 States...(*Interruptions*)

14.05 hrs

(*At this stage, Shri Sansuma Khunggur Bwiswmuthiary came*

and stood on the floor near the Table.)

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down. Please go to your seats.

...(*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय: कृपया आप अपना-अपना स्थान ग्रहण करे।

â€¦(व्यवधान)

* Not recorded.

उपाध्यक्ष महोदय: यहां बहुत महत्वपूर्ण विषय पर बहस हो रही है, कृपया आप अपने-अपने स्थान पर जाएं।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: सिर्फ बसुदेव आचार्य जी की बात ही रिकार्ड पर जाएगी।

...(व्यवधान) *

SHRI BASU DEB ACHARIA: This year, 1,976 lives were lost. Out of which, till November, 2009, 876 persons were killed because of Maoist violence....(*Interruptions*) If we add the figure of the persons killed during the month of December, the figure will reach 900. Since 2004, from 587, the number increased to almost 1,000....(*Interruptions*) Who are the targets of these Maoists? ...(*Interruptions*) Who are being killed by the Maoists?...(*Interruptions*)

14.07 hrs

(At this stage, Shri K. Narayan Rao and some other hon. Members

went back to their seats.)

(At this stage, Shri Sansuma Khunggur Bwiswmuthiary went back to his seat.)

* Not recorded.

श्री शरद यादव (मधेपुरा): उपाध्यक्ष जी, तेलंगाना और संयुक्त आंध्र प्रदेश के सभी लोग बैचेन हैं। वहां आज हालात अच्छे नहीं हैं। पुलिस की गोलियों से आज वहां कुछ लोगों की मृत्यु हो गई है। मैं आपसे निवेदन करूंगा कि बसुदेव आचार्य जी की डिबेट ठीक और सुचारु ढंग से चले, तेलगुदेशम के जो मित्र यहां बोल रहे थे, उनके एक सदस्य को यहां बोलने का मौका दे दें ताकि वह अपनी बात को यहां रख दे। इस तरह से जो ये बोल रहे हैं, इनकी बात को कोई नहीं समझ रहा है, देश भी नहीं जान पा रहा है और सदन भी नहीं चल रहा है।...(व्यवधान) आप बैठ जाइए, मैं आपके लिए ही बोल रहा हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरा यह कहना है कि आप पांच मिनट आंध्र प्रदेश वाले माननीय सदस्य को और दो मिनट बोडो लैंड वाले माननीय सदस्य को बोलने के लिए दे दीजिए। ...(व्यवधान) सवाल यह है कि सदन चलना चाहिए। ...(व्यवधान) मेरी आपसे विनती है कि जो सवाल बसुदेव आचार्य जी उठा रहे हैं, वह भी महत्वपूर्ण सवाल है। आप जो बात रखना चाहते हैं, उसे रखने का काम करिए और सदन को चलने दीजिए। हम लोग सुबह से यहां बैठे हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे निवेदन है कि आप पांच मिनट इन्हें बोलने के लिए दे दीजिए। उपाध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे विनती है कि आप पांच मिनट इन्हें दे दीजिए, पांच मिनट आंध्र प्रदेश के लोगों को दे दीजिए और दो मिनट उन्हें दे दीजिए। ...(व्यवधान) यदि आप सहमत हों, तो ऐसा कीजिए। ...(व्यवधान) यह ठीक नहीं है कि चार मैम्बर पूरे सदन को न चलने दें। आप अपनी बात को रखना चाहते हैं, तो आप रखिए। मैं आपसे विनती करूंगा कि आप उन्हें समय दे दीजिए।

उपाध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य के निवेदन के अनुसार मैं श्री के. नारायणराव को मैं बोलने की अनुमति देता हूं। केवल एक आदमी बोलेगा। आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : The situation is very volatile. The Government should also come forward with a statement.

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: Let us work out a way in which we can run the House. अगर वे बोलना चाहते हैं, तो वे बोलें और उसके बाद एक इधर से बोले और एक उधर से बोले और यदि इस विषय पर कोई और भी माननीय सदस्य बोलना चाहते हैं, तो वे भी बोले लें, लेकिन सब लोग अपनी बात आराम से कहें, तब हाउस चलेगा। यह नहीं होना चाहिए कि वे अपनी बात कह दें और फिर वैल ऑफ दि हाउस में आ जाएं। यह नहीं होना चाहिए। इसलिए पहले कृपया आप उनसे बात कर लीजिए।

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया बैठ जाइए। आप बोलिए।

SHRI K. NARAYAN RAO (MACHILIPATNAM): I request everybody to hear a few words from me.

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): उपाध्यक्ष जी, जब वे बोलेंगे, तो क्या हम नहीं बोलेंगे। हम भी तो बोलेंगे। हमें भी तो अपनी बात कहनी है। ...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद (सारण): उपाध्यक्ष महोदय, आप कोकराझार के श्री सानछुमा खुंगुर बैसीमुथियारी जी और दो स्टेट के लोगों को बोलने की अनुमति दे रहे हैं, यह ठीक नहीं है। महोदय, यह एक ऐसी खतरनाक बीमारी है कि पूरे देश के हर राज्य में यह बात बहुत जोरों से फैल गई है। यह मामला केवल तीन तक सीमित नहीं है। इन लोगों ने इसे असीमित कर दिया है। ये झारखंड है, ये बिहार है, ये उत्तर प्रदेश है, उत्तरांचल है, ...(व्यवधान) यदि इस विषय पर बहस होनी है, तो कोई एक डेट तय कर दीजिए और जहां-जहां से सवाल उठ रहा है, वहां-वहां के मैम्बर्स को इस बहस में पार्टीसिपेट करने दीजिए। इसमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, सीमांचल, कहां-कहां तक प्रदेशों की मांग है, मिथिलांचल से लेकर उत्तरांचल और रुकिए, ...(व्यवधान) सुनिए। इसलिए एक डेट तय कराइए और उस डेट को, जो बहस करना चाहते हैं, उन्हें बोलने के लिए कहिए। पहले डेट तय कराइए। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : जब आप लोग, इस विषय पर एकमत नहीं हैं, तो मैं इस विषय को स्थगित करता हूं और अब मैं श्री बसुदेव आचार्य जी को अपनी बात कहने के लिए बुला रहा हूं।

SHRI BASU DEB ACHARIA : Now they should come forward with a solution. They announced creation of Telangana without consulting anybody. ...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : बसुदेव आचार्य जी, आप अपनी बात शुरू कीजिए। ...(व्यवधान)

श्री शरद यादव : उपाध्यक्ष जी, फिलहाल्जा तो सदन चल सके, उसके लिए एक रास्ता है कि इस विषय पर बात शुरू करा दी जाए और उसके बाद कोई एक तारीख तय कर ली जाए, जिस पर जो भी माननीय सदस्य अपनी बात कहना चाहें, कह सकें। ...(व्यवधान) अभी तो सदन चलाने के लिए यह आवश्यक है कि जो भी माननीय सदस्य इस विषय पर बोलना चाहते हैं, उन्हें बोलने दिया जाए। ...(व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : I was referring to the persons who have been killed by Maoists. Most of these persons areâ€¦.....(*Interruptions*)

14.14 hrs

(*At this stage, Shri M. Venugopala Reddy and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.*)

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House stands adjourned to meet again tomorrow the 18th December 2009 at 11 a.m.

14.15 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Friday, December 18, 2009 / Agrahayana 27, 1931 (Saka).